Budham Sharnam Gachhami Lyrics in Hindi

जब दुःख की घड़ियाँ आये
सच पर झूठ विजय पाए
इस निर्मल पावन मन पर
जब कलंक के घन छाये
अन्याय की आंधी से
कान उठे जब तेरे दोल
तब मानव तो मुख से बोल
बुद्धम सारनाम गच्छामि
तब मानव तो मुख से बोल
बुद्धम सारनाम गच्छामि
धम्मं सारनाम गच्छामि
सघं सारनाम गच्छामि

जब दुनिया से प्यार उठे
जब दुनिया से प्यार उठे
नफ़रत की दीवार उठे
माँ की ममता पर जिस दिन
बेटे की तलवार उठे
धरती की काया काँपे
अम्बार डगमग उठे दोल
तब मानव तू मुख से बोल
बुद्धम सारनाम गच्छामि
तब मानव तू मुख से बोल
बुद्धम सारनाम गच्छामि

दूर किया जिस ने जनजान के
व्याकुल मन का अँधियारा
जिसकी एक किरण को छूकर
चमक उठा ये जग सारा
दिप सत्य का सदा जले
दया अहिंसा सदा पहले
सुख शांति की छाया में
जन गण मन का प्रेम पीला
भारत के भगवान
बुद्धा का गूँजे
घर घर मात्र अमोल

हे मानव नित् मुख से बोल
बुद्धम सारनाम गच्छामि
हे मानव नित् मुख से बोल
बुद्धम सारनाम गच्छामि

रूठ गया जब सुन ने वाला
किस से करूँ पुकार
प्यार कहाँ पहचान सका ये
ये निर्दय संसार

निर्दयता जब ले ले धाम
दया हुई हो अन्तर्ध्यान
जब ये छोटा सा इंसान
भूल रहा अपना भगवान
सत्य तेरा जब घबराए
श्रद्धा हो जब डावांडोल
तब मानव तू मुख से बोल
बुद्धम सारनाम गच्छामि
तब मानव तू मुख से बोल
बुद्धम सारनाम गच्छामि||